

Receiving Blood Transfusions

Blood is made up of fluid called plasma that contains red blood cells, white blood cells and platelets. Each part of the blood has a special purpose. A person may be given whole blood or only the parts of the blood needed to treat an illness or injury.

Types of Blood Transfusions

A transfusion is the process of giving whole blood or parts of the blood through an intravenous (IV) catheter tube into a blood vessel. Your doctor will talk to you about the type of transfusion he or she recommends to treat your condition.

- **Red blood cells** – This is the most common part of the blood given. Red blood cells are what give blood its red color. Red blood cells carry oxygen from the lungs to other parts of the body then carbon dioxide back to the lungs. A red blood cell transfusion may be needed if you have lost blood to surgery or injury, or to treat anemia.
- **Plasma** – This is the liquid part of the blood that contains proteins that help blood clot and fight disease. Plasma transports water and nutrients to your body's tissues. It is often given to replace blood that has been lost after bleeding.
- **Platelet** – These cells work with proteins in plasma to help blood clot. Platelet transfusions are given when the platelet count is too low.

The blood used in transfusions most often comes from volunteer donors. The blood is carefully screened for disease to make sure that it is safe.

रक्ताधान प्राप्त करना

रक्त प्लाज़्मा नामक द्रव से बनता है जिसमें लाल रक्त कोशिकाएं, सफेद रक्त कोशिकाएं और बिम्बाणु होते हैं। रक्त के प्रत्येक हिस्से का एक विशेष उद्देश्य होता है। एक व्यक्ति को पूरा रक्त या रक्त के केवल आवश्यक हिस्से दिए जा सकते हैं जिसकी आवश्यकता बीमारी या चोट के इलाज के लिए होती है।

रक्ताधान के प्रकार

रक्ताधान एक रक्त वाहिका में अंतःशिराय (IV) कैथिटर ट्यूब के माध्यम से पूरे रक्त या रक्त के कुछ हिस्सों को देने की प्रक्रिया है। आपका डॉक्टर आपसे इस बारे में बात करेगा कि वह आपकी स्थिति के लिए किस प्रकार के रक्ताधान की सिफारिश करता/करती है।

- **लाल रक्त कोशिकाएँ** – यह दिए जाने वाले रक्त का सबसे आम हिस्सा है। लाल रक्त कोशिकाएँ वे कोशिकाएं होती हैं जो रक्त को लाल रंग देती हैं। लाल रक्त कोशिकाएँ फेफड़ों से ऑक्सीजन को शरीर के अन्य भागों में पहुँचाती हैं और कार्बन डाइऑक्साइड को फेफड़ों में वापस पहुँचाती हैं। शल्य क्रिया या चोट लगने पर आपका रक्त निकलने या एनीमिया के इलाज के लिए लाल रक्त कोशिका रक्ताधान की ज़रूरत पड़ सकती है।
- **प्लाज़्मा** – यह रक्त का तरल हिस्सा है जिसमें प्रोटीन शामिल होता है जो खून के थक्के जमने और रोगों से लड़ने में मदद करता है। प्लाज़्मा आपके शरीर के ऊतकों को पानी और पोषक तत्व पहुँचाता है। अक्सर इसे रक्तस्राव के बाद निकले हुए रक्त को बदलने के लिए दिया जाता है।
- **प्लेटलेट** – ये कोशिकाएँ खून के थक्के जमने में सहायता देने के लिए प्लाज़्मा में प्रोटीन के साथ काम करती हैं। प्लेटलेट रक्ताधान तब दिया जाता है जब प्लेटलेट की गिनती बहुत कम हो जाती है।

आमतौर पर रक्ताधान में प्रयोग किए जाने वाला रक्त स्वैच्छिक दाताओं द्वारा दिया जाता है। रोगों के मद्देनजर रक्त की सावधानीपूर्वक जाँच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह सुरक्षित है।

What to Expect

Preparing for Treatment

If the transfusion is not an emergency, a sample of your blood is taken to match your blood to donor blood and to decrease the chance of an allergic reaction. This sample of your blood is taken to find:

- Your blood type (A, B, AB or O) and whether you are Rh-positive or Rh-negative.
- Compatible donor blood. This is called cross-matching. A small sample of your blood is mixed with a small sample of donor blood to make sure they mix smoothly and are thus a match.

Tell your doctor if you have allergies or have had a reaction to a past blood transfusion.

Signs of an Allergic Reaction

An allergic reaction to a blood transfusion is not common. If a reaction occurs, it can be treated. Most reactions occur while you are receiving blood or soon after. Signs of a reaction include:

- Hives or itchy skin
- A fever
- Chills
- Dizziness
- Chest pain or ache
- Shortness of breath
- Back pain
- Pain at the transfusion site

क्या आशा करें

उपचार के लिए तैयारी

यदि रक्ताधान एक आपात स्थिति नहीं है, तो आपके रक्त का एक नमूना रक्तदाता के रक्त से मिलान करने के लिए और एलर्जी की प्रतिक्रिया की संभावना को कम करने के लिए लिया जाता है। आपके रक्त का यह नमूना निम्न का पता लगाने के लिए लिया जाता है:

- आपके रक्त का प्रकार (A, B, AB या O) और क्या आप Rh-पॉजिटिव हैं या Rh-नेगेटिव।
- संगत दाता रक्त। इसे क्रॉस-मैचिंग कहते हैं। आपके रक्त के एक छोटे नमूने को रक्तदाता के रक्त के एक छोटे नमूने के साथ मिश्रित किया जाता है ताकि यह आश्वस्त हुआ जा सके कि वे सुचारु रूप से मिश्रित हों और इस प्रकार वे एकदूसरे के अनुकूल हों।

यदि आपको रक्ताधान के बाद एलर्जी हो या प्रतिक्रिया हुई हो, तो इस बारे में अपने डॉक्टर को बताएँ।

एलर्जी की प्रतिक्रिया के लक्षण

रक्ताधान से एलर्जी की प्रतिक्रिया होना सामान्य नहीं है। यदि प्रतिक्रिया हो, तो इसका उपचार किया जा सकता है। अधिकांश प्रतिक्रियाएं रक्त प्राप्त करते समय या इसके कुछ देर बाद होती हैं। प्रतिक्रिया के लक्षणों में निम्न शामिल हैं:

- त्वचा में मधुमक्खी के छत्ते जैसी सिकुड़नें पड़ना या खुजली होना
- बुखार आना
- ठंड लगना
- चक्कर आना
- सीने में दर्द या ऐंठन
- सांस फूलना
- पीठ दर्द
- रक्ताधान वाले स्थान पर दर्द होना

During the Transfusion

- A small needle is inserted into a blood vessel, most often in your arm or hand, and a small sample of blood is taken and tested to confirm your blood type. You will feel a pinch when the needle is inserted.
- A small plastic tube, called an intravenous (IV) catheter, is left in the blood vessel. You receive blood through this tube. The donor blood, which is in a blood bag hanging from an IV pole, flows out of the bag through tubing into your blood vessel.
- A transfusion can take up to four hours depending on the type of transfusion you are having and how much blood is being given.
- You will be checked often to watch for a reaction or other problem. Your temperature, pulse and blood pressure will be checked. **Tell your nurse right away** if you have any signs of a reaction during your transfusion.
- When the transfusion is complete, the catheter tube is removed and a bandage is placed over the site. You may have some mild bruising or discomfort for a few days at the site. If you are in the hospital, the tube will stay in place.

After You Go Home

Call your doctor right away if you have any signs of a reaction at home after your transfusion. In rare cases, reactions occur days or weeks after a transfusion. **Call your doctor right away** if you have any of these signs:

- Kidney problems, such as dark urine, more or less urine, or back pain
- Nausea and vomiting
- Yellowing of the skin or whites of the eyes
- Fever, cough, runny nose or muscle pain

रक्ताधान के दौरान

- छोटी सी सुई रक्त वाहिका में डाली जाती है। ज्यादातर आपकी बाजू या हाथ में, और रक्त के प्रकार की पुष्टि करने के लिए रक्त का एक नमूना लिया जाता है और उसका परीक्षण किया जाता है। सुई डाले जाने पर आपको चुभन महसूस होगी।
- एक छोटी से प्लास्टिक की ट्यूब, जिसे अंतःशिराय (IV) कैथिटर कहते हैं रक्त वाहिका में डाल दी जाती है। आपको इस ट्यूब के माध्यम से रक्त मिलता है। रक्त देने वाले का रक्त, जो (IV) पोल पर लटके हुए रक्त बैग में होता है, ट्यूबिंग के माध्यम से बैग से निकलकर आपकी रक्त वाहिका में प्रवाहित होता है।
- आपके द्वारा कराए जाने वाले रक्ताधान के प्रकार और कितना रक्त दिया जा रहा है, पर निर्भर करते हुए रक्ताधान में चार घंटे तक का समय लग सकता है।
- प्रतिक्रिया या अन्य समस्या पर नज़र रखने के लिए अक्सर आपकी जाँच की जाएगी। आपके तापमान, नाड़ी और रक्तचाप की जाँच की जाएगी। अपने रक्ताधान के दौरान यदि आपको प्रतिक्रिया के कोई संकेत मिलते हैं तो **इसकी सूचना तुरंत अपनी नर्स को दें।**
- रक्ताधान के पूरा होने पर, कैथिटर ट्यूब हटा दी जाती है और उस स्थान पर पट्टी लगा दी जाती है। आपको उस स्थान पर कुछ दिनों के लिए कुछ हल्की खरोंच या असुविधा हो सकती है। अगर आप अस्पताल में हैं, तो ट्यूब अपने स्थान पर लगी रहेगी।

घर जाने के बाद

यदि अपने रक्ताधान के बाद घर लौट आने पर आपको प्रतिक्रिया के कोई भी लक्षण महसूस हों तो **तुरंत अपने डॉक्टर को फोन करें।** विरल मामलों में, रक्ताधान के कुछ दिनों या सप्ताहों के बाद प्रतिक्रिया होती है। यदि आपको निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हों तो **तुरंत अपने डॉक्टर को फोन करें:**

- गुर्दे की समस्याएँ, जैसे कि गहरे रंग का मूत्र, अधिक या कम मूत्र आना या पीठ का दर्द
- मतली और उल्टी
- त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का रंग पीला पड़ना
- बुखार, खांसी, नाक बहना या मांसपेशियों में दर्द होना

Talk to your doctor or nurse if you have any questions or concerns.

2007 – 6/2012 Health Information Translations

Unless otherwise stated, user may print or download information from www.healthinfotranslations.org for personal, non-commercial use only. The medical information found on this website should not be used in place of a consultation with your doctor or other health care provider. You should always seek the advice of your doctor or other qualified health care provider before you start or stop any treatment or with any questions you may have about a medical condition. The Ohio State University Medical Center, Mount Carmel Health System, OhioHealth and Nationwide Children's Hospital are not responsible for injuries or damages you may incur as a result of your stopping medical treatment or your failure to obtain medical treatment.

यदि आपके कोई सवाल या चिंताएं हों तो अपने डॉक्टर या नर्स से बात करें ।

2007 – 6/2012 Health Information Translations

Unless otherwise stated, user may print or download information from www.healthinfotranslations.org for personal, non-commercial use only. The medical information found on this website should not be used in place of a consultation with your doctor or other health care provider. You should always seek the advice of your doctor or other qualified health care provider before you start or stop any treatment or with any questions you may have about a medical condition. The Ohio State University Medical Center, Mount Carmel Health System, OhioHealth and Nationwide Children's Hospital are not responsible for injuries or damages you may incur as a result of your stopping medical treatment or your failure to obtain medical treatment.

Receiving Blood Transfusions. Hindi.